STEPPING STONE SCHOOL (HIGH)

CLASS: VIII

Worksheet - X

Subject: Hindi | **Date: 07-05-2020**

Topic: | **Time Limit: 40 mins**

कविता → "माँ कह एक कहानी" का भावार्थ :-

यह कविता राष्ट्रकवि "मैथिलीशरण गुप्त" द्वारा रचित एक हृदयस्पर्शी कविता है। कविता का प्रसंग उस समय का है जब गौतम बुद्ध, राजकुमार सिद्धार्थ थे। उनका पुत्र राहुल अपनी माँ से (यशोधरा से) कहानी सुनने की जिद करता है।

"बेटा समझ लिया क्या तूने - - - - - - -
- - - - - - - राजा था या रानी।"

प्रस्तुत पंक्तियों में बालक (राहुल) अपनी माँ (यशोधरा) से कहानी सुनाने की जिद कर रहा है तो माँ कहती है कि क्या उसने उसे नानी समझ रखा है कि वो उसे कहानी सुनाए। यह सुनकर कर बालक कहता है कि तुम मेरी नानी की बेटी हो तथा चतुराई पूर्वक कहता है कि तुम मुझे लेटे-लेटे ही राजा या रानी की कहानी सुना दो।

"तू है हठी - - - - - - - - - - -
- - - - - - - जहाँ सुरभि मनमानी।"

इन पंक्तियों में माँ कहती है कि तुम बहुत जिद्दी हो पर मेरे बहुत प्रिय हो। यह कहकर माँ कहानी कहना आरंभ करती है कि एक दिन सुबह तुम्हारे पिता (सिद्धार्थ) किसी बाग में घूम रहे थे जहाँ चारों तरफ खुशबू फैला हुआ था एवं वहाँ दृश्य बहुत ही मनोरम था।

"वर्ण-वर्ण के - - - - - - - -
- - - - - - - लहराता था पानी।"

इन पंक्तियों में माँ कहती है कि बाग में रंग-बिरंगे फूल खिले थे, पत्तों पर ओस की बूँदे गिरी हुई थी जो सूर्य की रौशनी में चमक रहा था। मंद-मंद हवाएँ चल रही थी जिससे ओस की बूँदें टपक कर नीचे जमीन पर गिर रहा था। बालक खुश होकर कहता है माँ यही कहानी सुनाओ।

"गाते थे खग
करुणा भरी कहानी।"

प्रस्तुत पंक्तियों में कहानी को आगे बढ़ाते हुए माँ ने कहा ने कहा कि बाग का वातावरण पक्षियों की चहचहाहट से पूरे वातावरण को गुंजायमान कर रही तभी अचानक एक हंस ऊपर से आकर जमीन पर पड़ा, वह दर्द से तड़प रहा था उसको तीर लगा था। यहाँ पर कहानी का करुण भाव आ जाता है।

"चौंक उन्होंने
कोमल कठिन कहानी।"

इन पंक्तियों में माँ कहती हैं कि उस समय बाग में खड़े सिद्धार्थ (गौतम बुद्ध) अर्थात् तुम्हारे पिता उसको अपने गोद में उठा लिए। इससे हंस को भी ऐसा लगा कि अब वह बच जाएगा अर्थात् उसे नया जीवन मिल गई। तभी हंस पर तीर चलाने वाला शिकारी वहाँ आ गया और उसने कहा कि यह शिकार मेरा है क्योंकि इसे मैंने ही अपने तीर से घायल किया है।

"माँगा उसने आहत पक्षी
अब बढ़ चली कहानी।"

इन पंक्तियों में शिकारी अपने शिकार (हंस) को सिद्धार्थ से माँगता है परन्तु वे उसे देने से इन्कार करते हैं और उसकी रक्षा करने की बात कहते हैं। शिकारी जो पक्षी को मार कर खाता था अपने बात पर अड़ गया और जिद करने लगा। दोनों अपनी-अपनी बातों पर अड़ गए।

"हुआ विवाद सदय
व्यापक हुई कहानी।"

इन पंक्तियों में माँ कहती है अब दोनों के बीच वाद विवाद इतना बढ़ गया कि मामला राजा के पास चला

गया। दोनों की उस पक्षी पर अपना अधिकार जमा रहे थे। राजा के पास जाने पर सभी ने इस विषय को सुना। अब कहानी और भी रोचक हो गई।

"राहुल तू निर्णय — — — — —
— — — — मैं सुन रहा कहानी।"

प्रस्तुत पंक्तियों में माँ अब राहुल से पूछती है कि राजा किसके पक्ष में निर्णय देंगे, माँ आगे कहती है कि तू निर्भय होकर इसका जवाब दे मैं तुम्हारे मुँह से सुनना चाहती हूँ। बालक निर्णय को बताने में असमर्थता जताता है और कहता है कि मैं तो सिर्फ कहानी सुन रहा हूँ।

"कोई निरपराध न मरे — — — —
— — — — तूने सुनी कहानी।"

इन पंक्तियों में माँ कहती है कि मारने वाले से बचाने वाला सदैव ही बड़ा होता है, अतः तेरे पिता सिद्धार्थ के पक्ष में ही निर्णय आएगा क्यों की उसने उस हंस की जान बचाई। माँ ने कहानी के द्वारा बच्चे को खेल-खेल में "जीवन में अहिंसा" का पालन करने का पाठ पढ़ा दिया।

प्र०) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द :-

(क) माँ ने बेटे के लिए किस विशेषण का प्रयोग किया?
उ० — मानधन

(ख) उपवन में कैसी हवा बह रही थी?
उ० — धीमी

(ग) तीर लगने से किसकी दुर्दशा हुई?
उ० — हंस

(घ) घायल पक्षी की रक्षा किसने की?
उ.) 'राहुल को पिता ने'

(ङ.) पक्षी के लिए विवाद किस-किसके बीच हुआ?
उ.) 'शिकारी और राहुल के पिता के बीच'

प्र-2) अति लघु उत्तरीय प्रश्न –

(क) पक्षी घायल कैसे हुआ?
उ.) – शिकारी के तीर से पक्षी घायल हो गया था।

(ख) पक्षी ने नया जीवन कैसे पाया?
उ.) – सिद्धार्थ (राहुल के पिता) ने घायल पक्षी को गोद में उठाकर उसका तीर निकाला तथा उसे शिकारी को देने से इन्कार कर दिया।

(ग) शिकारी को जब पक्षी नही मिला तो उसने क्या किया?
उ.) शिकारी अपने शिकार को लेने के लिए जिद करने लगा तथा दोनो के बीच इस बात पर कोई फैसला नही हुआ। अन्त में मामला राजा के पास चला गया।

(घ) राहुल ने किसका पक्ष लिया?
उ.) राहुल के माँ के पूछने पर उसने इस विषय में कुछ बताने में अपनी असमर्थता व्यक्त की थी।

ङ.) राहुल को कहानी कोमल और कठिन कब लगी?

उ.) राहुल को कहानी कोमल और कठिन लगी जब शिकारी घायल हंस को सिद्धार्थ (उसके पिता) से मांगने आया था।